www.maharashtrac
Email : editor@maharashtracrimes.in

www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष २० | अंक १२ | मुंबई, ०५ अक्तूबर २०२१ | पृष्ठ : ८ | कीमत : ५ रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

जेएनपीटी और सिडको के भ्रष्ट प्रशासन के खिलाफ स्थानिय प्रकल्पग्रस्त किसानों का एल्गार

२६ जनवरी २०२२ को शुरु होगा अंतीम सांसोतक अनशन

दत्ता माने : दुनिया का सबसे विशाल बंदर जवाहरलाल नेहरु पतन न्यास (जे.एन.पी.टी.) रायगड किल्ले में उरण में स्थित है। यह हमारे महाराष्ट्र और देश के लिए ...बाब है। लेकीन जिन पंद्रह हजार किसानोंके नौ हजार एकर जमीन पर इसका निर्माण किया गया है। उन किसानों की जमिन सिडको और जे.एन.पी.टी.प्रशासन ते मात्र सत्ताईस हजार रुपय प्रती एकर के मिट्टी के मोल में खरीदी करके पुलीस बल का निर्णय प्रयोग कर हाथिया ली? जमिन अधिग्रहन करते समय गरीब किसानों को प्रशासन में नौकरी का कामधंदा करने हेतू कुछ उपय करने का आश्वासन दिया गया । सन २६ मई १९८९ को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधीजी के कर कमलोद्वारा इक विशाल पतन का उद्घाटन किया गया। उस समारोह में श्री राजव गांधीजीपे एयके १००/- प्रतिशत किसानोंको पुनर्वसन एवं नौकरी जवारहरलाल नेहरु पतन न्यास में देते का वादा किया था। लेकीन समारोह के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हवाई जहाजने असमान मैं प्राणभरी वैसे उस वादे ने भी हवामें उडनाही पसंद किया।

ऐसेही एक दर्दभरी कहानी है करळ सोनारी गाव के कडू परिवार की, एक ऐसा परिवार सो जे.एन.पी.टी. भ्रष्ट और गैर जिम्मेदार प्रशासकीय अधिकारीयों का गत तीस सालोंसे शिकार बना हुआ है।

अशोक शंकर कडू और उनकी सौभाग्याशी श्रीमती वासंती अशोक कडू के परिवार की साडेसात एकर खेती जिसका बाझार भाव आजकी तारीख ३०० से ३५० करोड होता है और ३५ एकर नमक की खेती जिसे मीठागर कहा जाता है जे.एन.पी.टी.बंदर गाह के विकास के लिए जे.एन.पी.टी.और सिडको प्रशासनने मात्र २७०००/- (सत्ताईस हजार मात्र) प्रती एकर नाममात्र भावसे पुलिस बल का प्रयोग

(शेष पृष्ठ ७ पर)

स्थानिय प्रकल्पग्रस्तों के लिए निर्माण किया गया शॉपिग मॉल

श्री. अशोक शंकर कडू
स्थानिय प्रकल्पग्रस्त

अबब !! अजग !!! अजब!!!

पुलीस उपनिरिक्षक (PSI) अस्लम पटेल की पत्नी का खुलेआम सेक्स रॅकेट

(स्पा के आड़ मे सानपाडा में चल रहा हैं वेश्या व्यवसाय)

संवाददाता (दत्ता माने) : रुपयोंकी लालच इन्सान को किस स्तर पर ले जाएगी यह कोई नही बता सकता। लालच ही की क्या? इसका जवाब लालची व्यक्ती को ही पता है। सरकारी नौकरी, खाकी वर्दी का रुबाब का उपयोग कुछ लोग सिर्फ रुपया कमाने हेतू करते है। मात्र कुछ प्रतिशत ऐसे लोग है जो सरकारी नौकरी के आड़ में खाकी वर्दी पर सादगीभरा जीवन व्यतीत करते है।

सामान्यत: वेश्या व्यवसाय में कदम रखनेवाली कोई भी महिला जिंदगी में दरदर की ठोकरे खाकर विवश होकर देहव्यापार का धंदा करने के लिए राजी होती है। कोई चोरी-छुपे तो कोई रेडलाईट एरीया में जाकर अपना धंदा करती है। लेकीन पिछले कुछ सालों में यह देह व्यापार का धंदा शहर की कई जगर

(शेष पृष्ठ ३ पर)

ऑक्टोंबर का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

घरेलू चीजों की खरीदारी करेंगे। बेरोजगारों को रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगें। जिससे आपको कुछ और जिम्मेदारियां मिलेंगी। आप विरोधियों की चाल को असफल करने में सफल होंगे। ऑफिस के कार्य से यात्रा करना पड़ सकता है। जिस काम के लिए ये यात्रा करेंगे वो पूरा हो जायेगा। सेहत के लिहाज से आपका महिना बेहतरीन रहने वाला है।

वृषभ = (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, व)

आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। ऑफिस में कार्य का टारगेट पूरा होने से बॉस आपसे खुश होकर, आपको कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट करेंगे, साथ ही पदोन्नति के अवसर भी मिलेंगे। टीचर्स के लिए दिन अच्छा रहेगा, आपका प्रमोशन होने के योग बन रहे हैं। मेडिकल के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा सीनियर डॉक्टर्स का सहयोग मिलेगा। लवमेट्स एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे, जिससे रिश्तों में और नजदीकियां बढ़ेंगी। परिवार के साथ घर पर मूवी देखकर आनंदित होंगे।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

महिना आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस में किसी बात को लेकर बॉस से आपको डांट पड़ सकती है। ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है, बेहतर होगा कि आज किसी भी बात पर गुस्सा करने से बचें। पॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन अच्छा है। परिवार में छोटे भाई से किसी कार्य को पूरा करने में सहायता प्राप्त होगी। कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ़ने का है। नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

अपनी बढ़ी हुई ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगें तो वह कम समय से पूरा हो जाएगा। कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में आपका आत्मविश्वास मददगार साबित होगा। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में अगर किसी के विवाह संबंधी समस्या चल रही है तो आज वो सॉल्व हो जाएगी। फर्नीचर का सामान खरीदना चाहते हैं तो दिन शुभ है। बिजनेस में साझेदारी सोच-समझ कर ही करें साथ ही नयी योजनाओं को लागू करने से लाभ होगा। पुरानी जायजाद के क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

महिना सामान्य रहेगा। राजनिति से जुड़े लोगों का दिन अच्छा है, आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। आपकी सोच में सकारात्मकता आयेगी। ऑफिस में वर्कलोड कम हेगा, जिससे आपको राहत महसूस होगी। महिलायें अपने लिए शॉपिंग करने का मन बनायेंगी। इस राशि के थिएटर से जुड़े लोगों के लिये दिन बढ़िया है, किसी पुराने काम में कामयाबी मिलने के बाद लोग आपकी तारीफ करेंगे। इस राशि के विवाहित एक दूसरे के साथ बेहतरीन पल बिताएंगे।

कन्या : ळ (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

महिना आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। आपको कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। आपने जीवनसाथी पर भरोसा बनाये रखें, रिश्तों में और मजबूती आयेगी। आप आज जितना हो सके दूसरों की राय लेकर ही किसी कार्य की शुरूआत करें तो सफलता मिलनी तय है। ऑफिस में आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कोई सहकर्मी बॉस से आपकी शिकायत लगा सकता है। आपका कोई भी गलत फैसला आपको परेशानी में डाल सकता है। छात्रों के लिए महिना बेहतरीन रहने वाला है।

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आप अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। इस राशि के बेरोजगार लोगों को किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं। आपका सकारात्मक विचार आपको सफलता दिलाने में सहायक होगा। संतान के करियर को लेकर आप थोड़े चिंतित रहेंगे, आप उसके बेहतर भविष्य के लिए नयी योजना बनायेंगे। लवमेट के लिए महिना अच्छा है, कोई स्पेशल गिफ्ट मिल सकता है।

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

किस्मत आपका साथ देगी। ऑफिस में सारे काम आसानी से पूरे हो जायेंगे। छात्र अपने बेहतर भविष्य के लिए सोच-विचार कर अच्छी योजना बनाऐंगे। ज्यादातर समय परिवारवालों के साथ बीतेगा। इस राशि के बिजनेसवर्ग के लोग किसी बड़े बिजनेसमैन से मिटिंग करेंगे, जिसका फायदा भविष्य में आवश्य मिलेगा। आप अपने जीवनसाथी की इच्छा पूरी करने का भरपूर कोशिश करेंगे, जिससे जीवनसाथी आपसे प्रसन्न होंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

मेहनत से किए हुए सारे कार्य पूरे होंगे। बिजनेस के मामले में आप किसी से मीटिंग करेंगे, जिसमे आपको सफलता मिलेगी। किसी के साथ पैसों का लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। आपके बिजनेस पार्टनर किसी जरूरी दस्तावेज पर आपके साइन करवाने घर आयेंगे। किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचें। साथ ही बिजनेस में भी जोखिम भरे फैसले ना लें। इस राशि के जो इलेक्ट्रोनिक सामान खरीदना चाहते हैं, वो खरीद सकते हैं। लवमेट्स आपको नई ड्रेस गिफ्ट करेंगे।

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

आप रिश्तों के प्रति भवना से परिपूर्ण रहोगे, जीवनसाथी के साथ कुछ अच्छा करने की योजना बनायेंगे। आपकी संतान की इच्छाओं में वृद्धि होगी। इस राशि के आर्किटेक्ट क्षेत्र से जुड़े लोगों को ऑफिस में किसी पुरानी गलती के कारण वो काम दुबारा करना पड़ेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले से और मजबूत होगा। इस राशि वालों को वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। सर्राफा व्यापारियों के लिए अधिक धन लाभ करने वाला रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है।

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

बिज़ेस के मामले में आपके नजदीकी दोस्त से समय पर आपको मदद मिल जाएगी। इस राशि के अविवाहितों के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे। इस राशि के नौकरी कर रहे लोगों का ट्रांसफर ऐसी जगह हो सकता है जहां उनको नौकरी करने में थोड़ा आराम रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। स्टूडेंट्स के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है, पहले दी गयी किसी प्रतियोगी परीक्षा का आपको बेहतर परिणाम हासिल होगा।

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा, आपकी कविता के लिए किसी समारोह में आपको पुरस्कार भी मिलेगा। अगर आप कोई नया व्यापार शुरू करना चाहते हैं तो यह महिना आपके लिए शानदार है। आप परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे। राजीनीति से जुड़े लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। आप पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। किसी काम को पूरा करने में जितनी कोशिश, उतनी ही सफलता प्राप्त होगी। पिता से आपको सलाह मिलेगी जो भविष्य में आपके काम आएगी।

कानुनी सलाह

ॲड.रामचंद्र कच्छवे

सवाल आपका सलाह हमारा

१. सयद शेख, डोंबिवली

पोलिस ठाणे मे फरियाद लेकर जाने के बाद पोलिस फरीयाद ली नही जाती हैं तो क्या करना चाहीए?

सलाह : आपकी फरीयाद दखलपात्र एवंम अजामीनपात्र होगी तो पोलिस को आपकी फरीयाद लेना ही पडेगा और एफ.आय. आर पंजीकृत करना पडेगा यदी ऐसा नही हुआ तो आपको लिखीत फरीयाद वरीष्ट पोलिस निरीक्षक एवंम ए.सी.पी., डी.सी.पी., पोलिस कमीश्नर इन्हे भेजना पडेगा और उसकी रसीद संभालके रखना चाहीए। इसके बावजुद एफ.आय.आर. पंजीकृत नही हुआ तो माननीय उच्च न्यायालय में फौजदारी याचिका दाखील करना पडेगा न्यायालय उक्त पोलिस ठाणे को एफ.आय.आर.पंजीकृत करने का आदेश पारीत करेगा ईसके अलावा आपको कलम २०० सी.आर.पी.सी.के तहत माननीय न्यायदंडाधिकारी ईनके न्यायालय के आपकी शिकायत दी जा सकती है उसमे न्यायालय १५६(३) सी.आर.पी.सी.के.तहत आदेश पारित कर सकता है।

२. शंकर तावडे, चेंबूर

पोलिस ठाणे मे झुटी एफ.आय.आर.पंजीकृत की तो क्या करना चाहीए?

सलाह : आपको एफ.आय.आर.चॅलेंज करना हो तो आपको माननिय उच्च न्यायालय में फौजदारी याचिका दाखील करना पडेगा और कलम ४८२ सी.आर.पी.सी.के तहत एफ.आय.आर.चॅलेंज होगा, न्यायालय एफ.आय.आर.को अंतरीम स्थगीती दे सकता है।

पूछताछ में राज उगलने लगे आतंकी, बताया-क्या-क्या कर चुके थे, आगे क्या करना था

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल के गिरफ्त में आए संदिग्ध आतंकियों ने राज उगलना शुरू कर दिया है। विभिन्न सूत्रों से मिल रही खबरों के अनुसार पूछताछ में सामने आया है कि आतंकियों ने कई जगहों की रेकी कर ली थी और कुछ जगहों पर विस्फोटक भी पहुंचाए जा चुके थे।

मुंबई की लाइफ लाइन पर था निशाना

आतंकियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि मुंबई की 'लाइफ लाइन' लोकल ट्रेनों के अलावा महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को दहलाने की साजिश थी। अब रेलवे कमिश्नर, डीआरएम समेत आला अफसरों की मीटिंग होनी है। वो यह पता करने की कोशिश करेंगे कि क्या आतंकी गतिविधियां रेकी तक ही सीमित थीं या फिर कहीं विस्फोटक भी रखे जा चुके हैं। महाराष्ट्र के अलावा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भी कई जगहों की रेकी की गई थी।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इसके लिए नेताओं की रैलियां होने लगी हैं। आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार का काम जोर पकड़ने की संभावना में भारी भीड़ के बीच धमाका करने की प्लानिंग की गई थी। बहरहाल, यूपी के डीजीपी प्रयागराज पहुंच गए हैं। वहीं के करेली इलाके से २८ वर्षीय जीशान कमर की गिरफ्तारी हुई है।

भीड़ में धमाके की थी प्लानिंग

गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ में स्पष्ट हो गया है कि आंतकियों की प्लानिंग ऐसे मौके की तलाश थी जब ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाकर बड़े पैमाने पर खौफ फैलाया जा सके। इसके लिए चुनावी रैलियों के अलावा नवरात्र समेत अन्य त्योहारों के दौरान विस्पोट करने की प्लानिंग बनी थी। यही वजह है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इन आतंकियों पर आगे भी नजर रखने के बजाय गिरफ्तार करने में ही भलाई समझे। स्पेशल सेल को लगा कि अब आतंकियों को धमाके के मुफीद मौके मिल सकते हैं। उसकी पूछताछ में आतंकियों ने तीन और साथियों की पहचान उजागर कर दी है जो अभी गिरफ्त से बाहर हैं।

इस टीम ने दबोचे आतंकी

बहरहाल, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छह संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़कर बड़े हमले को टाल दिया है। एसीपी ललित मोहन नेगी और हृदय भूषण के नेतृत्व में ऑपरेशन का संचालन किया गया। टीम में इंस्पेक्टर सुनील रजैन, रविंदर जोशी और विनय पाल भी शामिल थे। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने मंगलवार दोपहर में स्पेशल सेल के ऑपरेशन की समीक्षा की।

डी कंपनी और आईएसआई को तमाचा

पाकिस्तान में बैठा भारत का भगोड़ा दाऊद इब्राहिम मुंबई हमले जैसी ही खौफनाक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पकड़े आतंकियों में दो को पाकिस्तान के उसी थट्टा इलाके में ही हथियारों की ट्रेनिंग दी गई थी जहां मुंबई अटैक के पकड़े गए आतंकी मोहम्मद अजमल आमिर कसाब को ट्रेंड किया गया था। उनकी ट्रेनिंग पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) की देखरेख में हुई।

दो गुटों में बंटकर काम कर रहे थे आतंकी

'डी कंपनी' और आईएसआई ने भारत को दहलाने की काफी बारीक योजना बना रखी थी। इसके तहत, आतंकियों को दो गुटों में बांटा गया था– एक हमलावर गुट था जबकि दूसरा सुविधाएं जुटाने वाला। हमलावर गुट में शामिल आतंकियों की जिम्मेदारी ग्रीन सिग्नल मिलते ही हमले को अंजाम देना था जबकि उससे पहले की सारी जिम्मेदारी दूसरे ग्रुप की थी। दूसरा गुट ही हवाला के जरिए पैसे जुटाने और दोनों गुटों का खर्च उठाने, रेकी करके हमले की सही जगह चुनने, हमलावर गुट को मौके पर पहुंचाने से लेकर तमाम तरह की सुविधाएं जुटाने को जिम्मेदार था।

यूपी, दिल्ली, राजस्थान से गिरफ्तार हुए आतंकी

भारतीय खुफिया एजेंसियों को इन आतंकियों की भनक अप्रैल महीने में ही लग गई थी जिसने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को अलर्ट कर दिया था। उसके बाद दिल्ली पुलिस ने इन आतंकियों को रेडार पर ले लिया और उनकी एक–एक गतिविधि पर नजर रखने लगी। फिर जान मोहम्मद, ओसामा, मूलचंद, जीशान कमर, मोहम्मद कमर और मोहम्मद आमिर जावेद नाम के आतंकियों को दिल्ली, यूपी और राजस्थान से दबोच लिया गया। इनमें चार आतंकी यूपी के रहने वाले हैं जबकि एक मुंबई और एक दिल्ली का है। इनके पास से आरडीएक्स, ग्रेनेड, पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं।

खुलेआम सेक्स रॅकेट

(शेष भाग पृष्ठ १ से)

पर खुलेआम चल रहा है। बॉडी मसाज, स्पा ॲंड सलुन इन सुंदर अक्षरोंका नकाब पहन कर यही जिस्म फरोशी का धंदा चल रहा है। इस धंधे मे मिल रही आय के कारण और सुंदर युवती ओंसे मिल रहे सुख की वजह से कई व्यावसायिक इस धंदे में परदे के पिछे रहकर इस धंदे को चला रहे है। हमारी जानकारी के अनुसार इन मसाज पार्लर मे आनेवाले कुछ ग्राहक बडे सरकारी अफसर, बिल्डर एवं जाने माने व्यावसायिक होते है। ग्राहक को अपनी सेवा देकर इन पार्लर की युवतीयाँ उन्हे अपने जाल में फांसकर इस धंदे की मोटी कमाई के बारे में समझाती है। यदी नया स्पा शुरु करेंगे तो मसाज और अय्याशी मुफ्त में मिलेगी और रुपया भी, यह सोचकर एक और नये बॉडी मसाज स्पा का निर्माण किया जाता है। ऐसे कई मसाज पार्लर्स/स्पा ॲंड सलुन नवी मुंबई में शान ओ शौकत से चल रहे है। उसी में एक नाम शामील है 'द रॉयल स्पा' 'द रॉयल स्पा' जया नामक महिला (मोबाईल नंबर ७९७७१८३८८५) कई सालों से चला रही है। इसका पता है। दुकान क्र.२, प्लॉट नं.–३८, सुमिषा अपार्टमेंट, सेक्टर–१, नारायण दूध डेअरी क निकट सानपाडा, नवी मुंबई. सुत्रोंकी जानकारीनुसार जया नामक इस 'द रॉयल स्पा की मालकीन का असली नाम कुछ और है। पहले यह महिला मसाज पार्लर में काम किया करती थी। उस समय नवी मुंबई पुलीस बल मे कार्यरत पुलीस कर्मी श्री. अस्लम पटेल से इसकी शादी हुई। शादी के बाद जया ने उपर लिखे पते पर श्री. अस्लम पटेल की सहायतासे मसाज पार्लर शुरु किया। यह पटेल महाशय इस समय नवी मुंबई पुलीस में तलोजा पुलीस थाने में पुलीस उपनिरिक्षक पद पर कार्यरत है। पती पुलीस में कार्यरत होने की वजह से जया नामक यह महिला बे खौफ होकर देह व्यापार का धंदा नागरी बस्ती में खुले आम चला रही है।

महाराष्ट्र क्राईम्स को इस बात की सूचना मिलने पर हमने इसकी सत्यता जानने हेतू हर्षवर्धन यादरव नामक युवक को वहाँ भेजा। वहाँ पर जया मॅडम ने विठ्ठल नामक मॅनेजर नियुक्त किया है। हर्षवर्धन यादरव जब वहाँ गया तो विठ्ठल नामका मॅनेजरने उनके सामाने अलग अलग पॅकेजेस रखे। फुल बॉडी मसाज १५००/–, हाफ सर्व्हिस–२०००/–, फुल सर्व्हिस ३०००/– हर्षवर्धन की मानो तो यहाँ मसाज सिर्फ नाम के लिए होता है। हर्षवर्धन ने धुपे स्काय कॅमेरेसे मसाज कमरे के बाहर और अंदर का संपूर्ण चित्रण किया। यह व्हिडिओ रिकार्डींग देखने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे कोई ब्लू (अश्लील) फिल्म चल रही है।

यहाँ पर देहव्यापार का खुलेआम काला धंदा चल रहा है ऐसी शिकायते हमे प्राप्त हो रही थी। 'द रॉयल स्पा' का सत्य पता चलते ही हमने ०७–०९–२०२१ को सानपाडा पुलीस थाने के वरिष्ठ पुलीस निरिक्षक श्री. सुभाष निकम को इस व्हिडीओ रिकॉर्डींग की क्लीप का मेमरीकार्ड के साथ शिकायत अर्जी दि। आज यह खबर छपने पुरा महिना खत्म हुआ लेकीन जया के 'द रॉयल स्पा' पर कोई भी कानुनन कार्रवाई श्री सुभाष निकम ने नही की इस धंदे में पुलीस उप निरिक्षक श्री. अस्लम पटेल और उनकी पत्नी जया के साथ डिपार्टमेंटल आर्थिक संबंध होने की अशंका है। यदी कोई व्यक्ती १०० नंबर डायल कर कुछ जानकारी देता है। तो पुलिस तुरंत हरकत तें आजी है। हमने १ माह पूर्व यह जानकारी एवं शिकायत अर्जी दे कर भी आजतक कोईभी कानुनन कार्रवाई श्री. सुभाष निकम नही कर रहे है, इसके पिछे क्या वजय है यह सिर्फ श्री. सुभाष निकम, उपनिरिक्षक अस्लम पटेल, और जया जानते है। क्या यह खबर प्रकाशित होने के बाद भी पुलीस अपनी आँखों की पट्टी निकालकर पिटा जैसी कार्रवाई कर यह देह व्यापर का धंदा हमेशा हमेशा के लिए बंद करेंगी या कार्रवाई का दिखावा कर निल पंचनाम करेगी या कलम २९४ के तहर कार्रवाई दिखाएगी या फिर वर्दी के साथ वर्दी इस न्याय से कार्रवाई ही नही करेगी यह अनेवाला समय ही बताएगा।

पाठक, मार्गदर्शक, शुभचिंतक,
विज्ञापनदाता, वितरक
एवं सभी देवी माँ भक्तोंको
नवरात्रौ और दशहरा की
हार्दिक
शुभकामनाएँ

संपादक
सिराज चौधरी
महाराष्ट्र क्राईम्स

कहीं आप भी तो नहीं खाते डेली उबले हुए अंडे? हो जाइए सावधान! उठाने पड़ सकते हैं भारी नुकसान

अगर आप भी डेली उबले हुए अंडे खाते हैं तो सावधान रहने की जरूरत है. क्योंकि वुमेन्स हेल्थ मैग्जीन की एक रिपोर्ट के अनुसार उबले हुए अंडे आपके शरीर में घातक बीमारियां पैदा कर सकते हैं.

नई दिल्ली: शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए अंडा अच्छा विकल्प माना जाता है. ये कई पोषक तत्वों से भरपूर रहता है, जो शरीर को फुर्तीला बनाने में मददगार होता है. अंडे में प्रोटीन, आयरन, विटामिन ए, बी ६, बी १२, फोलेट, एमिनो एसिड, फास्फोरस और सेलेनियम एसेंशियल अनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स (लिनोलिक, ओलिक एसिड), पाए जाते हैं.

अंडे को माना जाता है प्रोटीन का राजा

उबले अंडे को प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत माना जाता है. अंडे को प्रोटीन का राजा भी कहते हैं. यदि आप रेगुलर जिम जाते हैं या फिटनेस फ्रीक (Fitness Freak) हैं, तो स्वभाविक तौर पर आप उबले अंडे के फायदों के बारे में जानते होंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि इनके कुछ साइड इफेक्ट भी हैं.

एक्सपर्ट्स की मानें तो, इस क्रेजी डाइट से आपके स्वास्थ्य में कोई ज्यादा बदलाव नहीं आता. कुल मिलाकर इस आहार में स्वस्थ भोजन तो होता है, लेकिन फिर भी यह एक स्वस्थ और संतुलित आहार नहीं है.

यह भी पढें: Work From Home पैदा कर रहा ऐसी खतरनाक बीमारियां, आज ही करें बचाव

Weight Loss के लिए अच्छा ऑप्शन नहीं है उबला अंडा

वुमेन्स हेल्थ (Women's Health) मैगजीन में हाल ही में जारी हुई रिपोर्ट के अनुसार, उबले अंडे, लीन प्रोटीन, बिना स्टार्च वाली सब्जियां, तरबूज, जामुन, अंगूर जैसे फल और कम वसा वाले फूड आइटम कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनका सेवन तब जरूर करना चाहिए जब आप बॉईल एग डाइट (Boiled Egg Diet) फॉलो कर रहे हैं. न्यूयॉर्क के एक डाइट न्यूट्रिशन एक्सपर्ट एरिन पॉलिस्की के अनुसार, इस डाइट में लोग नाश्ते में फल के साथ २ अंडे, दोपहर के भोजन और रात के खाने में अंडे या १ लीन प्रोटीन (Lean Protein) के साथ-साथ केवल नॉन-स्टार्च वाली सब्जियों का सेवन करते हैं.

टिकाऊ नहीं है ये उपाय

एक्सपर्ट्स कहते हैं कि कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate) का आप जितना कम सेवन करेंगे, यह आपको वजन घटाने में उतना ही मदद करेगा. हालांकि, यह लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है, न ही आपके शरीर को संतुलित पोषण प्रदान करता है. उबले हुए अंडे वाली डाइट से आप शुरुआत में कुछ हद तक वजन कम कर सकते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि आपको इसके बेस्ट रिजल्ट्स ही मिलें.

यह भी पढें: केमिकल मिला गुड़ तो नहीं खा रहे आप? ऐसे करें असली-नकली की पहचान

Weight Loss के लिए साबुत अनाज ज्यादा मददगार

साबुत अनाज सभी प्रोसेस्ड फूड यहां तक कि अन्य सब्जियों जैसे आलू, मक्का, मटर और फलियों से बचने में मदद करता है. इसमें आपको कुछ फलों जैसे केला, अनानास, आम, सूखे मेवे और मीठे पेय पदार्थों से भी बचने के लिए कहा जाता है. हाल ही में एक रिसर्च के अनुसार, साबुत अनाज खाना आपके स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है और वजन घटाने में भी कारगार है.

रोजाना अंडे खाते हैं, तो हृदय रोग का खतरा

बॉईल एग डाइट में दो उबले अंडे खाने की सलाह दी जाती है. लेकिन याद रखें कि स्वास्थ्य वर्धक न्यूट्रियंट्स के साथ-साथ अंडे में कोलेस्ट्रॉल और सेचुरेटेड फैट भी होता है, जो हमारे लीवर और दिल को नुकसान पहुंचाता है. साल २०१० में कैनेडियल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी में पब्लिश हुई एक रिपोर्ट बताती है कि, जो लोग रोजाना अंडे खाते हैं, उनमें हृदय रोग का खतरा लगभग २०% ज्यादा होता है. लेकिन अगर आप हफ्ते में २-३ बार दो अंडे खा रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. ये आपके लिए नुकसानदायक नहीं है.

यह भी पढें: खाते हैं Brown Rice तो इसके साइड इफेक्ट्स भी जान लें, सेहत पर होता है ऐसा असर

उबले अंडों के साइड इफेक्ट

उबले अंडों में कैलोरी कम होती है. यह साबुत अनाज और बीन्स जैसे कई हाई फाइबर फूड्स पर रोक लगाता है. यह कहा जाता है कि ५० वर्ष या उससे ज्यादा उम्र के पुरूषों को कम से कम ३८ ग्राम फाइबर और महिलाओं को कम से कम २५ ग्राम फाइबर का सेवन करना ही चाहिए. अगर आप इससे कम मात्रा में फाइबर का सेवन करेंगे, तो कब्ज की शिकायत हो सकती है. कब्ज का खतरा तब ज्यादा बढ़ जाता है, जब आप केवल उबले अंडे खाते हैं. क्योंकि अंडों में फाइबर की मात्रा न के बराबर होती है.

क्या बॉईल एग डाइट फॉलो करना सेफ है?

यदि आप थोड़े समय के लिए उबले अंडे खाते हैं और आमतौर पर स्वस्थ हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है. लेकिन अगर आप अपने वजन में बहुत जल्दी रिजल्ट रिणाम देखना चाहते हैं, तो शुरुआती स्टेज पर यह डाइट ठीक है, लेकिन रेगुलर इसे फॉलो करना आपके स्वास्थ्य को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है. दरअसल बॉईल एग डाइट एक फैड डाइट (Fad Diet) है, जिसमें लोग वजन घटाने के लिए केवल अंडे, कुछ फल और नॉन-स्टार्च वाली सब्जियां खाते हैं. लेकिन लंबे समय तक इस डाइट को फॉलो करना ठीक नहीं है. गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भूलकर भी इस डाइट को फॉलो नहीं करना चाहिए. इस तरह की डाइट बाद में ज्यादा निराशा का कारण बन सकती है.

बहुत सेहतमंद है इन ४ सब्जियों का जूस, एकदम बारीकी से होती है आंतों की सफाई

शरीर को स्वस्थ और अंगों को सक्रिय रखने के लिए प्रोटीन और विटामिंस के साथ ही उन पोषक तत्वों की भी जरूरत होती है जो फलों और सब्जियों में होते हैं। क्योंकि ज्यादातर फल स्वाद में मीठे होते हैं इसलिए बच्चे उन्हें खाने से मना नहीं करते हैं, जबकि सब्जियों के साथ ऐसा नहीं है। जो सब्जी स्वाद में थोड़ा कड़वी होती है या स्वादिष्ट नहीं होती है बच्चे उन्हें खाने से मना कर देते हैं। ऐसे में अगर आप बच्चों को उन सब्जियों से वंचित रखेंगे तो उन्हें जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाएंगे। इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चों को सब्जियों का जूस पिलाएं। सब्जियों का जूस पीना हर उम्र के व्यक्ति के लिए फायदेमंद होता है। आज इस लेख में हम आपको ५ ऐसी सब्जियों के जूस (Vegetable Juice) बता रहे हैं जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं और आंतों की सफाई भी करते हैं।

सब्जियों का जूस पीना हर उम्र के व्यक्ति के लिए फायदेमंद होता है। आज इस लेख में हम आपको ५ ऐसी सब्जियों के जूस बता रहे हैं जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं और आंतों की सफाई भी करते हैं.

गाजर का जूस

गाजर का जूस पीना बहुत फायदेमंद होता है। गाजर में बीटा-कैरोटीन, नियासिन, बायोटिन और पैंटोथेनिक एसिड सहित विटामिन के और विटामिन ई भी होता है। गाजर में फेनोलिक यौगिक होते हैं। दरअसल, फेनोलिक यौगिकों में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-एजिंग गुण होते हैं। इसके अलावा, गाजर में विटामिन ए और बीटा-कैरोटीन सहित कैरोटीनॉयड भी होते हैं। ये तत्व ऑक्सीडेटिव क्षति से सेल्स की रक्षा करने, इम्युन सिस्टम को बूस्ट करने, नॉर्मल स्किन को मेनटेन रखने और आंखों की रोशनी को सामान्य रखने में मदद करते हैं। गाजर का जूस आंतों की सफाई कर पाचन क्रिया को भी बूस्ट करता है।

चुकंदर का जूस

चुकंदर विटामिन सी, फोलेट, फास्फोरस और मैग्नीशियम का एक जबरदस्त स्रोत है। चुकंदर का सेवन शरीर के भीतर नाइट्रिक ऑक्साइड (छज) की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। जो हृदय रोगों से बचाने का काम करता है। इससे हाइपरटेंशन और ब्लड संबंधी अन्य समस्याएं भी दूर होती हैं। चुकंदर का जूस स्वाद में थोड़ा कड़वा लग सकता है इसलिए आप इसमें पुदीना, नींबू और काला नमक मिला सकते हैं। जूस के अलावा चुकंदर का सलाद भी फायदेमंद होता है।

गौतम अडानी के बंदरगाह पर २१ हज़ार करोड़ की हेरोइन पकड़ाने की पूरी कहानी!

गुजरात के कच्छ में मुंद्रा पोर्ट पर भारी मात्रा में हेरोइन पकड़ी गई. कीमत हजारों करोड़ बताई गई. पोर्ट को चलाने की जिम्मेदारी बड़े बिजनेसमैन गौतम अडानी की कंपनी की है. सोशल मीडिया पर हेरोइन की खेप मिलने को अडानी की कंपनी से जोड़ा जाने लगा. घटना के ५ दिन बाद अब अडानी समूह ने इसे लेकर एक बयान जारी किया है. जिसमें समूह की ओर से कार्रवाई करने वाले राजस्व आसूचना निदेशालय या डायरेक्टरेट ऑफ़ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) और सीमा शुल्क विभाग यानी कस्टम विभाग का आभार जताया गया है. उन्हें बधाई दी गई है. क्या है ये पूरा मामला और इसे लेकर काहे इतना बवाल हो रहा है.

देश में पकड़ी गई हेरोइन की एतिहासिक खेप

गुजरात में कच्छ का मुंद्रा पोर्ट. भुज से तकरीबन ५३ किलोमीटर दूर. प्राचीन काल में मसालों और नमक के व्यापार का ये बड़ा केंद्र अब दुनिया की तमाम चीजों के आयात-निर्यात का सेंटर बन गया है. मुंद्रा पोर्ट को चलाने की जिम्मेदारी फिलहाल गौतम अडानी के मालिकाना हक वाली कंपनी अडानी समूह की है. १६ सितंबर २०२१. रोज की तरह DRI और कस्टम की टीमें अवैध सामान के लाने-ले जाने को लेकर चौकन्नी बनी हुई थीं. दोनों टीम इसलिए भी चौकन्नी थीं कि जून के महीने में एक बड़ी चूक हुई थी जिससे हेरोइन की बड़ी खेप उनकी नजरों से बच निकली थी.

आजतक ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि जून २०२१ में एक बड़ा ड्रग्स कंसाइनमेंट डीआरआई और कस्टम की लापरवाही से बच निकल गया था. वो ड्रग्स कंसाइनमेंट जहां पहुंचना था, वहां पहुंच गया था. इस पूरे मामले में कस्टम और डीआरआई के कुछ स्थानीय अफसरों की भूमिका भी शक के दायरे में बताई गई.

ऐसे में दोनों ही एजेंसियां दबाव में थीं. उन्हें पता चला कि एक ईरानी टैल्कम पाउडर की बड़ी खेप भारत ला रही है. इसे आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के पते पर भेजा जाना है. टैल्कम पाउडर और हेरोइन दोनों ही देखने में लगभग एक जैसे लगते हैं. सफ़ेद पाउडर. अब जैसे ही चिन्हित कंटेनर मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचे, उऋख और कस्टम की जॉइंट टीम हरकत में आ गई. जब बताए गए टेल्कम पाउडर वाले कंटेनर की जांच की गई तो एजेंसियों के होश उड़ गए. २ कंटेनरों में ३००० किलो हेरोइन मिली. इसे भारत क्या दुनियाभर में ड्रग्स की सबसे बड़ी बरामदगी बताया जा रहा है. ड्रग्स की ये खेप कितनी बड़ी थी इसे ऐसे समझा जा सकता है कि इसकी सही कीमत का पता लगाने में ही एजेंसियों को कई दिन लग गए. पहले इसकी कीमत इंटरनेशनल मार्केट में ९००० करोड़ रुपए बताई गई. बाद में पता चला कि इसकी कीमत २१ हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है.

हेरोइनः कहां से आई, कहां जा रही थी

एजेंसिया इसे इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट के एक हिस्से की तरह देख रही हैं. DRI के अनुसार, हेरोइन ले जाने वाले कंटेनर्स को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित एक कम्पनी आशी ट्रेडिंग फर्म द्वारा आयात किया गया था. फर्म ने खेप को 'टेल्कम पाउडर' घोषित किया था. वहीं एक्सपोर्ट करने वाली फर्म की पहचान अफगानिस्तान के कंधार स्थित हसन हुसैन लिमिटेड के रूप में की गई है. जब ये कन्साइनमेंट अफ़ग़ानिस्तान से होकर ईरान और ईरान से गुजरात के कच्छ के मुंद्रा पोर्ट

पहुंची, तब उऋख और कस्टम ने इसकी जांच की. पता चला कि ये टेलकम पावडर की आड़ में करोड़ो की ड्रग्स थी.

आयात करने वाले आशी ट्रेडिंग फर्म चलाने वाले पति-पत्नी सुधाकर और वैशाली को चेन्नई से गिरफ्तार कर लिया गया है. भुज की कोर्ट में दोनों आरोपी पति-पत्नी को १० दिन की रिमांड पर उऋख को सौंप दिया है. सोमवार यानी २० सितंबर की रात भी डीआरआई ने दिल्ली से २ अफगान नागरिकों समेत एक भारतीय नागरिक को हिरासत में लिया है. कुल मिलाकर मामले में अबतक ७ लोगों के गिरफ्तार किया गया है. इसमें ४ अफगान नागरिक और ३ भारतीय नागरिक हैं. पुलिस इन सबसे पूछताछ के जरिए इस ड्रग रैकेट के काम करने के तरीके और इसमें शामिल लोगों के बारे में पता लगाने में जुटी है.

अब १४० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी आपकी गाड़ी! एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट बढ़ाने की तैयारी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि वह एक्सप्रेस-वे पर गाड़ी की अधिकतम गति सीमा को १४० किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के पक्ष में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न श्रेणियों की सड़कों पर वाहनों की गति सीमा को संशोधित करने के लिए जल्द ही एक विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि गति को लेकर एक मानसिकता है कि अगर कार की स्पीड ज्यादा बढ़ाई गई तो दुर्घटना होगी। उन्होंने 'इंडिया टुडे कान्क्लेव २०२१' को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरा निजी विचार है कि एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की गति सीमा बढ़ाकर १४० किमी प्रति घंटा की जानी चाहिए।' गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार लेन वाली सड़कों पर गति सीमा कम से कम १०० किमी प्रति घंटा होनी चाहिए। दो लेन की सड़कों पर गति सीमा ८० किमी प्रति घंटा और शहर की सड़कों पर गति सीमा ७५ किमी प्रति घंटा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में वाहनों की गति सीमा का पैरामीटर बड़ी चुनौतियों में से एक है। कार की स्पीड को लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के कुछ फैसले हैं, जिसकी वजह से हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

KRANTIKARI JAI HIND SENA
क्रांतीकारी जय हिंद सेना
Adv.R.N.Kachave
Mr.Vinod Trivedi
LEGAL ADVISE CENTRE
कानुनी सलाह केंद्र
क्रांतीकारी जय हिंद सेना की और से अन्याय एवंम भ्रष्टाचार से पिडीत लोगोंके लिये निशुल्क कानुनी सलाह केंद्र तथा जरुरतमंद ओर गरीबों के लिए कानुनी मदत केंद्र कि उपलब्धी की गई है। समस्थ लोगोंको अपील की जाती है की आप इस योजना का लाभ उठा ले। हमने लोगों को अपने अधिकारी का ज्ञान कराने के उद्देश से विविध विधीज्ञ की सहयोग से यह योजना कार्यान्वीत की गई है।
संपर्क : २७/२८, दुसरा माला, इंडा मेशन, १८-वजु कोटक मार्ग, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१. मो.९८२१३८७०९९, ९२२४७९९५४६

सुखदेव ने पत्र भेजकर महात्मा गांधी से की थी क्रांतिकारियों पर रहम की प्रार्थना, जानें- वजह

स्वाधीनता संग्राम के दौरान कई ऐसे क्रांतिकारी थे जिन्हें दुभाग्यवश जेल में समय गुजारना पड़ा। उस समय वे अपनी बातें पहुंचाने के लिए एक-दूसरे को पत्राचार किया करते थे। जागरण डॉट कॉम आपके लिए लेकर आया है शहीद सुखदेव का वो पत्र जो उन्होंने महात्मा गांधी के नाम लिखा था।

कानपुर, महात्मा गांधी को लिखा गया पत्र। पांच मार्च, १९३१ को महात्मा गांधी और तत्कालीन वायसराय लार्ड इरविन के बीच राजनीतिक समझौता हुआ। जिसे गांधी-इरविन समझौते के रूप में जाना जाता है। इसका एक बिंदु यह भी था कि हिंसा के आरोपियों को छोड़ सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा कर दिया जाएगा। इस समझौते के बाद सुखदेव ने गांधी जी के नाम 'एक खुली चिट्ठी' लिखी। जिसके जवाब में गांधी जी ने भी खत लिखा था। दोनों ही पत्र 'हिंदी नवजीवन' में भी प्रकाशित हुए थे।

परम कृपालु महात्मा जी,

ताजा खबरों से मालूम होता है कि समझौते की बातचीत की सफलता के बाद आपने क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं को फिलहाल अपना आंदोलन बंद कर देने और आपको अपने अहिंसावाद को आजमाकर देखने का आखिरी मौका देने के लिए कई प्रकट प्रार्थनाएं की हैं। वस्तुत: किसी आंदोलन को बंद करना केवल आदर्श या भावना से होने वाला काम नहीं है। भिन्न-भिन्न अवसरों की आवश्यकताओं का विचार ही अगुवा लोगों को उनकी युद्धनीति बदलने के लिए विवश करता है।

माना कि सुलह की बातचीत के दरम्यान आपने इस ओर एक क्षण के लिए भी न तो दुर्लक्ष्य किया, न इसे छिपा ही रखा कि यह समझौता अंतिम समझौता नहीं होगा। मैं मानता हूं कि सब बुद्धिमान लोग बिल्कुल आसानी से यह समझ गए होंगे कि आपके द्वारा प्राप्त तमाम सुधारों का अमल होने पर भी कोई यह न मानेगा कि हम मंजिले मकसूद पर पहुंच गए हैं। संपूर्ण स्वतंत्रता जब तक न मिले तब तक अविराम लड़ते रहने के लिए महासभा लाहौर के प्रस्ताव से बंधी हुई है। उस प्रस्ताव को देखते हुए मौजूदा सुलह और समझौता सिर्फ कामचलाऊ युद्ध विराम है जिसका अर्थ यही होता है कि आने वाली लड़ाई के लिए अधिक बड़े पैमाने पर अधिक अच्छी सेना तैयार करने के लिए यह थोड़ा विश्राम है। इस विचार के साथ ही समझौते और युद्धविराम की शक्यता की कल्पना की जा सकती है और उसका औचित्य सिद्ध हो सकता है।

किसी भी प्रकार का युद्ध विराम करने का उचित अवसर और उसकी शर्तें ठहराने का काम तो उस आंदोलन के अगुवा लोगों का है। लाहौर वाले प्रस्ताव के रहते हुए भी आपने फिलहाल सक्रिय आंदोलन बंद रखना उचित समझा है तो भी वह प्रस्ताव तो कायम ही है। इसी तरह 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन पार्टी' के नाम से ही साफ पता चलता है कि क्रांतिवादियों का आदर्श जनसत्तावादी प्रजातंत्र की स्थापना करना है। यह प्रजातंत्र मध्य का विश्राम नहीं है। उनका ध्येय जब तक प्राप्त न हो और आदर्श सिद्ध न हो तब तक वे लड़ाई जारी रखने के लिए बंधे हुए हैं परंतु बदलती हुई परिस्थितियों और वातावरण के अनुसार वे अपनी युद्धनीति बदलने को तैयार अवश्य होंगे। क्रांतिकारी युद्ध जुदा-जुदा मौकों पर जुदा-जुदा रूप धारण करता है। कभी वह प्रकट होता है, कभी गुप्त, कभी केवल आंदोलन का रूप होता है और कभी जीवन-मरण का भयानक संग्राम बन जाता है। ऐसे में क्रांतिवादियों के सामने अपना आंदोलन बंद करने के लिए विशेष कारण होने चाहिए परंतु आपने ऐसा कोई निश्चित विचार प्रकट नहीं किया। निरीह भावपूर्ण अपीलों का क्रांतिवादी युद्ध में कोई विशेष महत्व नहीं होता, हो नहीं सकता।

आपने समझौते के बाद अपना आंदोलन बंद किया है और फलस्वरूप आपके सभी कैदी रिहा हुए हैं पर क्रांतिकारी कैदियों का क्या? १९१५ ईसवी से जेलों में पड़े हुए गदर पार्टी के सभी २० कैदी सजा की मियाद पूरी हो जाने पर भी अब तक जेलों में हैं। मार्शल कानून के बीसों कैदी आज भी जिंदा कब्रों में दफनाए पड़े हैं। यही हाल बब्बर अकाली कैदियों का है। देवगढ़, काकोरी, मछुआ बाजार और लाहौर षड्यंत्र के कैदी अब तक जेल की चहारदीवारी में बंद पड़े हुए बहुतेरे कैदियों में से कुछ हैं। बहुसंख्यक क्रांतिवादी भागते फिरते हैं और उनमें कई तो स्त्रियां हैं। सचमुच आधा दर्जन से अधिक कैदी फांसी पर लटकने की राह देख रहे हैं। उन सबका क्या? लाहौर षड्यंत्र केस के सजायाफ्ता तीन कैदी, जो सौभाग्य से मशहूर हो गए और

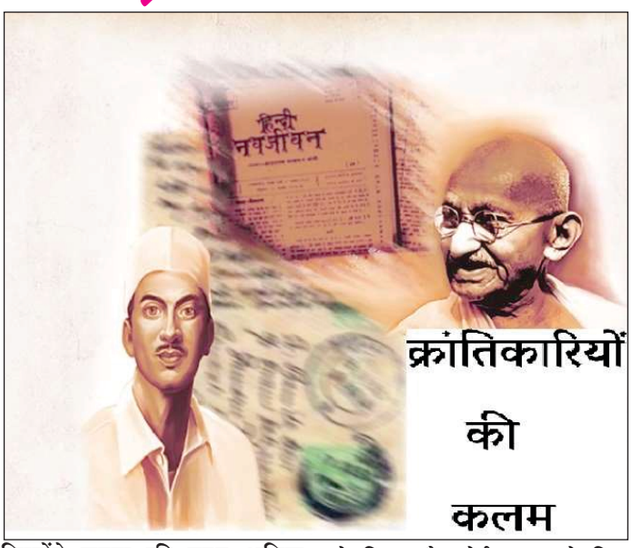

जिन्होंने जनता की बहुत अधिक सहानुभूति प्राप्त की है, वे कुछ क्रांतिवादी दल का बड़ा हिस्सा नहीं हैं। उनका भविष्य ही उस दल के सामने एकमात्र प्रश्न नहीं है। सच पूछो तो उनके फांसी चढ़ जाने से ही अधिक लाभ होने की आशा है। यह सब होते हुए भी आप उन्हें अपना आंदोलन बंद करने की सलाह देते हैं। वे ऐसा क्यों करें? आपने किसी निश्चित वस्तु की ओर निर्देश नहीं किया है। ऐसी दशा में आपकी प्रार्थनाओं का यही मतलब होता है कि आप इस आंदोलन को कुचल देने में नौकरशाही की मदद कर रहे हैं और आपकी विनती का अर्थ उनके दल को द्रोह, पलायन और विश्वासघात का उपदेश करना है। यदि ऐसी बात नहीं है तो आपके लिए उत्तम तो यह था कि आप कुछ अग्रगण्य क्रांतिकारियों के पास जाकर उनसे सारे मामले के बारे में बातचीत कर लेते। अपना आंदोलन बंद करने के बारे में पहले आपको उनकी बुद्धि की प्रतीति करा लेने का प्रयत्न करना चाहिए था। मैं नहीं मानता कि आप भी इस प्रचलित पुरानी कल्पना में विश्वास रखते हैं कि क्रांतिकारी बुद्धिहीन हैं, विनाश और संहार में आनंद मानने वाले हैं। मैं आपको कहता हूं कि वस्तुस्थिति ठीक इसकी उल्टी है। वे सदैव कोई भी काम करने से पहले उस पर खूब सूक्ष्म विचार कर लेते हैं और इस प्रकार वे जो जिम्मेदारी अपने माथे लेते हैं, उसका उन्हें पूरा-पूरा ख्याल होता है और क्रांति के कार्य में वे रचनात्मक अंग को अत्यंत महत्व देते हैं हालांकि मौजूदा हालत में अपने कार्यक्रम के संहारक अंग पर डटे रहने के सिवा और कोई चारा उनके लिए नहीं है।

उनके प्रति सरकार की मौजूदा नीति यह है कि लोगों की ओर से उन्हें अपने आंदोलन के लिए जो सहानुभूति और सहायता मिली है, उससे वंचित करके उन्हें कुचल डाला जाए। ऐसी दशा में उनके दल में मतभेद और शिथिलता पैदा करने वाली कोई भी भावपूर्ण अपील एकदम बुद्धिमानी से रहित और क्रांतिकारियों को कुचल डालने में सरकार की सीधी मदद करने वाली होगी। इसलिए हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि या तो आप कुछ क्रांतिकारी नेताओं से बातचीत कीजिए- उनमें से कई जेलों में हैं और उनके साथ सुलह कीजिए या ये सब प्रार्थनाएं बंद रखिए। कृपा कर हित की दृष्टि से इन दो में से कोई एक रास्ता चुन लीजिए और सच्चे दिल से उस पर चलिए। अगर आप उनकी मदद न कर सकें तो मेहरबानी करके उन पर रहम करें। उन्हें अलग रहने दें। वे अपनी हिफाजत खुद ही अधिक अच्छी तरह कर सकते हैं। वे जानते हैं कि भावी राजनैतिक युद्ध में सर्वोपरि स्थान क्रांतिकारी पक्ष को ही मिलने वाला है। लोक समूह उनके आस-पास इकट्ठे हो रहे हैं और वह दिन दूर नहीं है जब ये जनसमूह को अपने झंडे तले जनसत्तावादी प्रजातंत्र के उम्दा और भव्य आदर्श की ओर ले जाते होंगे अथवा अगर आप सचमुच ही उनकी सहायता करना चाहते हों तो उनका दृष्टि बिंदु समझने के लिए उनके साथ बातचीत करके इस सवाल की पूरी तफसील से चर्चा कर लीजिए।

सऊदी अरब में साढ़े पांच लाख विदेशी कामगारों ने छोड़ी नौकरी, आखिर कारण क्या है?

सऊदी अरब में काम करने वाले विदेशियों की संख्या लगातार कम हो रही है। पिछले एक साल में सऊदी में साढ़े पांच लाख से अधिक लोगों ने नौकरी छोड़ी है। विदेशी कामगारों की नौकरियों के हिसाब से सऊदी अरब खाड़ी के टॉप तीन देशों में शुमार है। सऊदी अरब में इस समय ६१ लाख विदेशी कामगार काम कर रहे हैं। पिछले कई महीनों में सऊदी अरब ने अपने देश के श्रम कानूनों को काफी लचीला भी किया है।

विदेशी कामगारों की तादाद में ५७१००० की कमी

सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ स्टेटिक्स एंड जनरल ऑर्गनाइजेशन ऑफ सोशल इंश्योरेंस के आंकड़ों के अनुसार, जून २०२० और जून २०२१ के बीच निजी और सरकारी क्षेत्रों में काम करने वाले विदेशियों की संख्या में ५७१,००० की कमी आई है। प्रतिशत के लिहाज से विदेशी कामगारों की संख्या में यह ८.५२ फीसदी की गिरावट है।

इस समय सऊदी में कुल ८२ लाख कर्मचारी

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में काम कर रहे सोशल इंश्योरेंस सिस्टम में सऊदी और गैर-सऊदी लोगों की संख्या ८७ लाख से घटकर ८२ लाख पहुंच गई है। इसका मतलब यह हुआ कि सऊदी अरब में स्थानीय और विदेशी कर्मचारियों की संख्या में ५.५ फीसदी की गिरावट आई है।

कर्मचारियों की संख्या में गिरावट के क्या हैं कारण

सऊदी अरब में लगातार घट रही विदेशी कामगारों की संख्या के पीछे सबसे बड़ा कारण कोरोना महामारी है। इस महामारी के कारण बड़ी संख्या में विदेशी कामगार अपने देश लौटे हैं। इतना ही नहीं, इस साल के पहली तिमाही में सऊदी अरब ने कड़े यात्रा प्रतिबंध लागू कर दिए थे। जिसके बाद अभी तक विदेशी कामगारों की वापसी को लेकर नियम आसान नहीं बने हैं। इसमें वैक्सीनेशन, कोरोना जांच रिपोर्ट और अनिवार्य क्वारंटीन जैसे नियम शामिल हैं।

कामगारों का मनोबल भी टूटा

कोरोना महमारी के कारण सऊदी अरब सहित कई दूसरे देशों से आने वाले कामगारों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी पड़ा है। महामारी की लहर तेज होने पर कई देशों ने विदेशी कामगारों को तुरंत वापस भेज दिया था। अब थोड़े बहुत देश जो विदेशी कामगारों को बुला रहे हैं, उन्होंने भी कड़े नियम-कानून लागू किए हुए हैं। ऐसे में ये कामगार अब इन पेचीदगियों से बचने के लिए अपने देश में ही कमाई का जरिया ढूंढना शुरू कर दिया है।

स्थानिय प्रकल्पग्रस्त किसानों का एल्गार

(शेष भाग पृष्ठ १ से)

कर हाथिया ली। ऐसे इस तरिकेसे पंद्रह हजार किसानोंकी नौ हजार एकर जमिन सिडको एव जे.एन.पी.टी. प्रशासनाने दबोचली है। इस जमिन का कब्जा करते समय जे.एन.पी.टी.प्रशासनाने बाधीत किसानों और उनके परिवारजनोंको हाथ को काम और जहाँ हो सकता है वहाँ व्यापार करने के लिए दुकान या अन्य सुविधा मुहैया करने का वचन दिया।

नौकरी नही तो कमसे कम प्रकल्पग्रस्त किसानोंके लिए सो शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया उसमें से एखादी दुकान श्री. शंकर अशोक शंकर कडू को देने से जे.एन.पी.टी.प्रशासन राजी नही हो रहा है। प्रकल्पग्रस्त किसान होने के सारे सबुत और प्रमाण श्री. अशोक शंकर कडू और उनकी पत्नी श्रीमती वासंती अशोक कडू ने जे.एन.पी.टी.की पुनर्वसन शाखा, पी.पी.डी. विभाग को सुपूर्द करने के बावजूद प्रशासन श्री./श्रीमती. कडू के पास सबूत माँग रहे है। सन १९९० को महसुल विभाग के अप्पर सचिव श्री. बी.जी.जोशी ने जे.एन.पी.टी.के प्रबंधक (ॲडमीन ॲड सेक्रेटरी) को श्री. अशोक शंकर कडू या श्रीमती वासंती अशोक कडू को नौकरी देने का लिखीत आदेश दिया था। लेकीन सुअर की चमडी पहने जे.एन.पी.टी.के प्रबंधक (ॲडमीन ॲड सेक्रेटरी) ने बेशर्मीसे ''आपके पास प्रकल्पग्रस्त होने का कोई प्रमाण नही है'' यह कहकर श्री. या श्रीमती कडू को नौकरी में शामील करने से इन्कार किया। ऐसा उन्होंने शायद इसलिए किया होगा की इनकी जगहपर यदी कोई दुसरा गैर प्रकल्पग्रस्त या परप्रांतीय से रिश्वत लेकर नौकरी दि गयी हो। सच्चाई तो यह है की, इसी प्रबंधकने टायपिंग किये हुए ५०० से अधिक अर्जीकर्ताओंको नोकरीयाँ बहाल की है। इस भ्रष्ट प्रबंधकने कमाए कालेधन की जाँच होनी चाहिए। यह पापी प्रबंधक अब सेवामुक्त होकर अपने पाप की कमाई का आनंद ले रहे है और यहाँ श्री और श्रीमती कडू वरिष्ठ नागरिक होकर अपने न्याय के दरदर की ठोकरे खा रहे है। जे.एन.पी.टी.प्रशासनाने प्रकल्पग्रस्त किसानों के लिए निर्माण शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की कुछ दुकाने वगैरे प्रकल्पग्रस्त एव परप्रांतियों को प्रदान की उन दुकानों में गैरकानुनी तरीकेसे आंकरराष्ट्रीय कॉलसेंटर्स, टेलीफोन बुथ चलाये जा रहे थें। इन गैर कानुनी दुकानों को बंद करवाने हेतू प्रबंधक (इस्टेट) ने ५ जून २००४ को नोटीस दि। इसके बाद जे.एन.पी.टी.के प्रबंधक (इस्टेट) श्री. उपेंद्रकुमार ने श्री. अशोक शंकर कडू को परिवार के पालन पोषण के लिए १३.०८.२००४ को लिखीत पत्र के माध्यमसे दुकान प्रदान करने का आश्वासन दिया। इसका पत्र क्र मांक-जनेप/सम्पदा/शॉपिंग-सेंटर/२००४/११९२ दि.१३/०८/२००४ है। इस लिखीत आश्वासन को भी हवा में धूल की तहर उडाया गया।

शॉपींग कॉम्प्लेक्स के कुल ७५ दुकानोंमेंसे सिर्फ ६ दुकानें प्रकल्पग्रस्तोंको प्रदान कि है। बाकी ३९ गाले/दुकानें वगैरे प्रकल्पग्रस्तो को प्रदान किये है। और इन ३९ दुकानधारकोंने प्रशासन के लाखों रुपये डुबे दिये है। इसका पत्र क्र.एम.ए.आर ११-२०१२/९७२ (२७ जून २०१२) है। जे.एन.पी.टी. के मॅनेजर श्रीमती. एल.ए.मॅथ्यू मॅडम ने भी ए/ई/ॲलोह एस.सी./२०११/४२१ इस पत्र से श्री./श्रीमती कडू को जे.एन.पी.टी.पुनर्वसन विभाग की ओर से दुकान मु हैया कराने का लिखीत रुपसे वादा किया।

इनका सबकुछ होने के बाद भी जे.एन.पी.टी.प्रशासन श्री./श्रीमती कडू परिवार को न्याय नही दे रहा है। श्री. अशोक शंकर कडू और उनकी पत्नी श्रीमती. वासंती अशोक कडू ने न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाया/मुंबई उच्च न्यायालयाने जे.एन.पी.टी. प्रशासन को श्री./श्रीमती कडू परिवार को दुकान प्रदान करने के लिए निर्देश दिये। High court of Judicature At Bombay-Public (rievances Cell No.Y.530 ci/12) 1128/2012-Date-8 August 2012-Registran (Jadicial-11) इस निर्देश के बाद प्रबंधक (इस्टेट) श्रीमती. ए . मॅथ्यू मॅडम ने, 'प्रकल्पग्रस्त वासंती अशोक कडू को जल्दसे जल्द नौकरी या दुकान प्रदान किया जाएगा ऐसा लिखीत पत्र मुंबई उच्च न्यायालय को जबाब के रुप में भेजा। गत ती वर्षोसे जे.एन. पी .टी. प्रशासन श्री. अशोक शंकर कडू और उनके परिवार के साथ बेशर्मीसे खिलवाडकर रहा है। आज उरण के सिडको के क्षेत्र में ४० करोड का मुल्यप्रती एकर सिडको लेती है। १९८४ में देशहित में श्री./श्रीमती. कडू परिवार ने ४२ एकर उपसाऊ खेती मात्र २७०००/- रुपये प्रती एकर के हिसाबसे दे दि । आज का उस जमिन का भाव ४००-५०० करोड है। श्री./श्रीमती कडू परिवार पूर्णरुपसे कंगाल और जे.एन.पी.टी.मालामाल है। अपना परिवार चलाने हेतू जे.एन.पी.टी.प्रशासन दो दुकाने या नौकरी मुहया नही कर सकती है तो लानत है।

इसविषय में श्री. अशोक शंकर कडू और उनकी पत्नी श्रीमती वासंती अशोक कडू ने १)जे.एन.पी.टी.के चेअरमन, २) मॅनेजींग डायरेक्टर सिडको, ३) मा.जिल्हाधिकारी रायगड, और महाराष्ट्र मंत्रीमंडल के संबंधित खातोंके मंत्रीगण एवं सचिव स्तरपर पत्राचार किया है। इस विषय में जे.एन.पी.टी. सिडको प्रशासन और संबंधी मामलो के खातों ने उचीत कार्यवाई करके कडू परिवार को न्याय नही दिया तो गणतंत्र दिवस के अवसर पर तारीख २६ जनवीर २०२२ के दिन से पूर्णरुप से न्याय मिलने के लिए अंतिम श्वास तक १०० से १५० प्रकल्पग्रस्त किसान अनशन करेंगे। वृद्धावस्थामें विपरीत स्थितीमें यह अनशन आंदोलन का मार्ग चुनना पड रहा है। इस लिए जे.एन.पी.टी.सिडको प्रशासन दोषी है। यदी इस अनशन के दौरान कुछ दुर्घटना होती है तो यह सुस्त प्रशासनही इसके लिए जिम्मेदार होगा। महाराष्ट्र क्राईम्सके इस स्थुस्त प्रशासन को सचंत कर रहा है। यदी इन परिवार जनो को न्याय नही मिला तो न्याय देवता के मंदिर में हम न्याय की अपेक्षा अवश्य दरवाजा खटखटाएँगे।

दिल्ली सरकारी कर्मचारियों के लिए जरूरी खबर, वैक्सीन की पहली डोज न ली तो नहीं मिलेगी 'सैलरी'

नई दिल्ली : दिल्ली के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर आ रही है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपने अहम आदेश में कहा कि दिल्ली के सभी सरकारी कर्मचारियों को १५ अक्टूबर तक कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लेनी ही होगी। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अनुपस्थित मानते हुए 'आन लीव' मार्क किया जाएगा, यानी अनुपस्थिति की स्थिति में सैलरी भी कटेगी।

गौरतलब है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को जारी आदेश के मुताबिक, सरकारी कर्मचारियों को १५ अक्टूबर तक कोरोना वैक्सीन डोज लेना अनिवार्य। ऐसे में अगर कोई इसका अनुपालन नहीं करेगा तो उसको अनुपस्थिति माना जाएगा। इससे पहले ३० सितंबर को डीडीएमए ने अपने आदेश में सिर्फ शिक्षकों के लिए कोरोना का टीका लेना अनिवार्य लिया था, लेकिन अब यह आदेश सभी सरकारी शिक्षकों पर लागू होगा। डीडीएमए के स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी के चेयरपर्सन और दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी विजय देव की ओर से यह अहम आदेश शुक्रवार को जारी किया गया। इसमें साफ और स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि १५ अक्टूबर से पहले सभी सरकारी कर्मचारी अपना कोरोना वैक्सीनेशन करवा लें। वरना उन्हें अनुपस्थित माना जाएगा।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीक प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर–१, नागसेन बु मंदिर रोड नं–३,तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई ४०००८९ से मुद्रित करका कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, किक्रोली (पू),मुंबई–४०००८३ से प्रकाशित किया। संपादक– सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७